विंध्य में नशा फैलाने वाला मुख्य आरोपी केरल से गिरफ्तार

डमी फर्मों के जरिए रीवा, सतना और अन्य क्षेत्रों में फैला रखा था सिरप का अवैध नेटवर्क

नवभारत न्यूज

सतना, 26 जून. प्रदेश में युवाओं को नशे के जाल में धकेलने वाले अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट के खिलाफ स्पेशल टास्क फोर्स ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है।

प्रतिबंधित कफ सिरप की अवैध रिफिलिंग और रिपैकिंग कर प्रदेश के विभिन्न जिलों में सप्लाई करने वाले मुख्य सरगना राहुल कुशवाह को एसटीएफ ने केरल के तिरुवनंतपुरम से गिरफ्तार कर लिया है.आरोपी पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित था.गिरफ्तारी के बाद कोर्ट ने मुख्य आरोपी को पुलिस रिमांड पर भेज दिया है.इस नेटवर्क की पूरी परतें खोलने के लिए एसटीएफ जेल में बंद छह अन्य आरोपियों को भी दोबारा रिमांड पर लेकर आमने-सामने पूछताछ करने की तैयारी में है।

एसटीएफ ने इस बड़े रैकेट का खुलासा बीते 29 मई को भोपाल की पटेल सिटी स्थित एक मकान पर छापेमारी के दौरान किया था.वहां से आनरेक्स कफ सिरप की 49,920 बोतलें जब्त की गई थीं.जिसमें तीन नाबालिगों सहित 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद अगले ही दिन मुबारकपुर क्षेत्र से कफ सिरप की 23,125 बोतलें और बरामद की गईं। इस पूरे मामले में अब तक कुल 17 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच में सामने आया है कि इस पूरे अवैध कारोबार का

मास्टरमाइंड राहुल कुशवाह ही है। पुलिस और प्रशासन की नजरों से बचने के लिए उसने बेहद शातिराना तरीका अपनाया था। राहुल ने अपने सहयोगियों के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर डमी फर्में खड़ी की थीं। उसने अर्जुन मालवीय के दस्तावेजों पर अर्जुन ट्रेडर्स नाम की फर्म बनाई, जबकि बालकृष्ण प्रजापति के नाम पर मंडीदीप में विंग्स लाइफ रेमेडीज नामक फर्म का संचालन किया जा रहा था। एसटीएफ इन दोनों डमी प्रोपराइटर्स को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी राहुल दिल्ली से आनरेक्स और हरिद्वार से ऑफ-कफ सिरप की बड़ी खेप मंगवाता था.इसके बाद मंडीदीप और अन्य ठिकानों पर डमी फर्मों के जरिए कफ सिरप की अवैध रिफिलिंग और रिपैकिंग की जाती थी.बोतलों पर जो नए लेबल लगाए जाते थे, उन पर जानबूझकर न तो बैच नंबर दर्ज होता था और न ही एक्सपायरी डेट इसके बाद मालवाहक वाहनों के जरिए इस नशे की खेप को रीवा, सतना, मऊगंज , सीधी समेत पूरे विंध्य क्षेत्र और प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में सप्लाई किया जाता था. बीते दिनों एसटीएफ ने शहर में कार्यवाही की जिसके बाद तस्करों के नाम सामने आया था

जेल भी जा चुका है मुख्य आरोपी

एसटीएफ अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी राहुल कुशवाह का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। वह वर्ष 2020 में भी प्रतिबंधित कफ सिरप की तस्करी के मामले में जेल जा चुका है .जेल से छूटने के बाद उसने दोबारा अपना नेटवर्क सक्रिय किया और इस बार इसका दायरा कई राज्यों तक फैला दिया .एसटीएफ का मानना है कि राहुल से गहन पूछताछ में विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्र के कई स्थानीय तस्करों और सफेदपोशों के नामों का खुलासा हो सकता है .मामले में आने वाले दिनों में कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां संभव हैं।

मेडिकल छात्र की छुट्टी को लेकर प्रबंधन पर संदेह गहराया

एनएमसी के आदेश का पालन नहीं

नवभारत न्यूज

सतना , 26 जून. नीट यूजी रि-एग्जाम में फर्जीवाड़े के तार अब स्थानीय अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज से जुड़ गए हैं.बिहार के लखीसराय में परीक्षा के दौरान दूसरे छात्र की जगह साल्वर के रूप में रंगे हाथों पकड़े गए मेडिकल छात्र हिमांशु कुमार को प्रतिबन्ध के बाद छुट्टी कैसे दी गई इसको लेकर कॉलेज प्रबंधन भी जांच के दायरे में आ गया है.

गौरतलब है कि नीट की परीक्षा में लगातार मेडिकल छात्रों की संलिप्तता को देखते हुए इस बार राष्ट्रीय मेडिकल परिषद एन एम सी ने राष्ट्रीय स्तर पर सर्कुलर जारी कर मेडिकल छात्रों के लिए एडवाजरी जारी की थी.जिसमें परीक्षा पूर्व छात्रों की छुट्टी पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई थी.बाद में राज्य के मेडिकल शिक्षा विभाग ने भी इसी को आधार बनाते हुए मेडिकल कालेजों के डीन को एडवाजरी का स?ती से पालन सुनिश्चित करने के आदेश दिये थे.इसके बावजूद सतना में अध्ययनरत छात्र को नीट री परीक्षा के पूर्व छुट्टी देने की घटना ने कॉलेज प्रबंधन को भी संदेह के दायरे में ला दिया है.

हालांकि, मेडिकल कॉलेज प्रबंधन फिलहाल कुछ भी स्पष्ट कहने से बच रहा है. प्रबंधन का तर्क है कि पुलिस या किसी अन्य जांच एजेंसी की तरफ से अभी तक उनके पास कोई आधिकारिक पत्र या सूचना नहीं आई है, लिहाजा वे अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते.लखीसराय पुलिस के आधिकारिक बयान के मुताबिक, नीट पुनर्परीक्षा में शुभम कुमार वर्मा नाम के परीक्षार्थी की जगह परीक्षा दे रहा हिमांशु कुमार मूल रूप से बिहार के सुपौल जिले के पथरा थाना क्षेत्र के ग्राम जोल्हनिया का निवासी है.इसके विपरीत, मेडिकल कॉलेज के रिकॉर्ड्स के अनुसार हिमांशु कुमार पिता शिवनारायण साह ने एडमिशन के दौरान जो निवास प्रमाण पत्र जमा किया है, वह भोपाल जिले की हुजूर तहसील के वार्ड नंबर 38 स्थित 80 फीट रोड का है.

परिजनों के मोबाइल बंद

इस बीच कॉलेज से मिली जानकारी के अनुसार,मेडिकल कॉलेज में प्रथम वर्ष का छात्र हिमांशु कुमार बीते 7 जून को घर जाने का हवाला देकर अवकाश का आवेदन देकर गया था .उसने 22 जून तक की छुट्टी ली थी, जबकि 21 जून को ही नीट की पुनर्परीक्षा आयोजित की गई थी जिसमें वह फर्जीवाड़ा करते पकड़ा गया .निर्धारित अवधि बीत जाने के बाद भी वह कॉलेज वापस नहीं लौटा है हिमांशु और उसके परिजनों के सभी मोबाइल नंबर बंद आ रहे हैं .जिसके चलते कॉलेज प्रबंधन उनसे संपर्क नहीं कर पा रहा है,फिलहाल लखीसराय पुलिस इस पूरे रैकेट की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

सोन में डूबे दूसरे युवक का मिला शव

नवभारत न्यूज

सीधी, 26 जून. जिले के सिहावल क्षेत्रांतर्गत सोन नदी के केतकिन घाट में नहाने गए दो युवकों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई थी जिसमें एक का शव पहले दिन गुरुवार को ही मिल गया था जबकि दूसरे युवक का शव दूसरे दिन आज शुक्रवार की शाम 5 बजे के बाद मिलना बताया गया है।

तत्संबंध में बताया गया कि बारात में शामिल दो युवक सोन नदी में नहाने के दौरान गहरे पानी में चले गए और डूब गए। जिसमें एक शव गुरुवार की शाम करीब 5 बजे तक गोताखोरों द्वारा बरामद किया गया जिसका नाम संजय उर्फ लालबहादुर साकेत निवासी पोखरा बताया गया। वहीं दूसरे युवक का शव शुक्रवार की शाम 5 बजे के बाद मिला जिसका नाम राजा साकेत 30 वर्ष निवासी पोखरा है। घटना के बाद बारात की खुशियां देखते ही देखते मातम में बदल गईं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बारात में आए युवक गुरुवार की सुबह करीब 7 बजे से 7:30 बजे के बीच सोन नदी के केतकिन घाट पर नहाने के लिए गए थे। नहाने के दौरान दोनो युवक अचानक नदी के गहरे हिस्से में पहुंच गए और पानी के तेज बहाव व अधिक गहराई के कारण डूब गए थे।

दो दिनों तक चलाया गया रेस्क्यू ऑपरेशन

इस संबंध में अमिलिया थाना प्रभारी राकेश बैस एवं सिहावल चौकी प्रभारी पुष्पेन्द्र सिंह बघेल एसडीआरएफ कमाण्डर मयंक तिवारी की टीम के साथ लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन में दो दिनों तक लगे रहे। भीषण गर्मी के बाद भी नदी के किनारे रहते हुए उनके द्वारा गोताखारों के साथ लगातार संपर्क में बने रहे। जिसकी सफलता मिली कि दूसरे दिन दूसरा शव भी एसडीआरएफ टीम ने सर्चिंग आपरेशन में बरामद किया ।जबकि आशंका थी कि सोन नदी में डूबे दूसरे युवक को कहीं घडि?ाल या मगरमच्छ न निगल लिया हो। लेकिन एसडीआरएफ की टीम ने सफलतापूर्वक शव को बरामद किया है।

बल्कर में भड़की आग,चालक की सूझबूझ से हादसा टला

- शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 26 जून। बरगवां थाना क्षेत्र स्थित बायपास नेशनल हाईवे पर गुरुवार देर रात करीब 12 बजे राखड़ से लदे एक बल्कर में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही पलों में पूरा वाहन उसकी चपेट में आ गया।

चालक की सतर्कता और त्वरित निर्णय से बड़ा हादसा टल गया। उसने समय रहते वाहन से

कूदकर अपनी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार बल्कर उ.प्र. से राखड़ लेकर सतना-रीवा की ओर जा रहा था। बरगवां बायपास के समीप चलते वाहन से अचानक धुआं और लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने पूरे बल्कर को अपनी गिरफ्त में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही बरगवां पुलिस मौके पर पहुंची और निजी कंपनी की दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। बरगवां थाना प्रभारी मो. समीर ने बताया कि चालक राकेश कुमार सुरक्षित है और उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का संभावित कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच जारी है। घटना के चलते कुछ समय तक नेशनल हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे आग बुझने के बाद पुन: सामान्य कराया गया।

बेयर हाउस से सरकारी अनाज की 233 बोरी पार

नवभारत न्यूज

रीवा, 26 जून. बेयर हाउस से 233 बोरी सरकारी गेहूं ले गए बदमाश सोता रह गया चौकीदार, जांच शुरू।

चौकीदार गहरी नींद में सोता रहा और बदमाश बेयर हाऊस का ताला तोड़कर अंदर रखा काफी मात्रा में सरकारी अनाज लेकर चंपत हो गए। बदमाशों की भनक किसी को नहीं लगी। घटना रीवा जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र की है, शिकायत मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मझियार स्थित आदर्श बेयर हाऊस के अंदर 375 बोरी सरकारी गेहूं रखा हुआ था जिसको किसानों से खरीदकर भंडारण किया गया था।

गोदाम की रखवाली के लिए चौकीदार भी रात में था जो बेयर हाउस के स्टाफ रुम में सो रहा था। देर रात बदमाशों धावा बोल दिया। ताला तोड़कर बदमाशों ने करीब 233 बोरी गेहूं पार कर दिया। आशंका जताई जा रही है कि बदमाश कोई लोडर वाहन लेकर आए थे जिसमें रखकर सारा गेहूं ने लेकर चंपत हो गए। सुबह करीब 7 बजे जब चौकीदार की नींद खुली तब गोदाम का शटर खुला देखकर उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। घटना की शिकायत थाने में दर्ज कराई गई है पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया लेकिन बदमाशों का पता नहीं चल पाया है। हम आपको बता दे कि करीब 233 बोरी गेहूं वाहन में लोड करने में बदमाशों को दो से तीन घंटे का समय लगा होगा इसके बावजूद भी चौकीदार को आहट ना मिलना एक बड़े संदेह की ओर इशारा कर रहा है,

वेतन भुगतान को लेकर भड़के श्रमिक

मधुकान कंपनी पर मजदूरी में कटौती के आरोप

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 26 जून। एनसीएल निगाही परियोजना के सीएचपी में कार्यरत मधुकॉन कंपनी के श्रमिकों का वेतन भुगतान को लेकर आक्रोश खुलकर सामने आ गया है।

मजदूरों ने कथित मजदूरी कटौती के विरोध में आंदोलन शुरू कर दिया है। उनका आरोप है कि कंपनी ने कार्य पर रखने के दौरान प्रतिदिन 500 से 550 मजदूरी देने का आश्वासन दिया था, लेकिन वास्तविक भुगतान केवल 300 से 350 प्रतिदिन किया जा रहा है। श्रमिकों का कहना है कि प्रति मजदूर प्रतिदिन लगभग 200 की राशि आखिर किस मद में रोकी जा रही है, इसका कोई स्पष्ट जवाब कंपनी प्रबंधन नहीं दे रहा। आक्रोशित श्रमिकों का कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि बकाया एवं निर्धारित मजदूरी का भुगतान शीघ्र नहीं किया गया तो कंपनी का कार्य पूरी तरह ठप कर दिया जाएगा।

श्रमिकों का आरोप है कि उनसे पूरा काम लिया जा रहा है, लेकिन मेहनत के अनुरूप पारिश्रमिक नहीं दिया जा रहा, जिससे उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

प्रबंधन ने कोई पक्ष नहीं रखा

मामला नवानगर थाना क्षेत्र स्थित एनसीएल निगाही परियोजना का बताया जा रहा है।इस पूरे विवाद के बीच क्षेत्रीय केन्द्रीय श्रम विभाग, शहडोल की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। श्रमिकों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद विभाग प्रभावी हस्तक्षेप नहीं कर रहा, जिससे कंपनी प्रबंधन के हौसले बुलंद हैं। हालांकि मधुकॉन कंपनी की ओर से इन आरोपों पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है।

पदभार संभालते ही डीईओ का फरमान, स्कूलों में मीडिया की इन्ट्री पर रोक

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 26 जून। जिले में नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी कविता त्रिपाठी द्वारा पदभार ग्रहण करते ही जारी किए गए एक आदेश ने विवाद खड़ा कर दिया है।

25 जून को जारी आदेश में सभी शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों एवं संस्था प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं कि बिना सक्षम अनुमति के पत्रकारों एवं आम नागरिकों को विद्यालय

परिसर में प्रवेश न दिया जाए। आदेश का कारण छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और शासकीय कार्यों में व्यवधान रोकना बताया गया है। हालांकि इस आदेश के सामने आते ही पत्रकारों, सामाजिक संगठनों और आमजन में विरोध के स्वर उठने लगे हैं।

चर्चा है कि सिंगरौली की शिक्षा व्यवस्था पहले से ही कई अव्यवस्थाओं और शिकायतों से घिरी हुई है। ऐसे में पत्रकारों और आम नागरिकों के प्रवेश पर रोक लगाने के पीछे शिक्षा विभाग की कमियों को छिपाने की कोशिश की जा रही है। जानकारों का कहना है कि जिले के इतिहास में यह पहला अवसर है जब किसी जिला शिक्षा अधिकारी कविता त्रिपाठी ने पदभार संभालते ही इस प्रकार का आदेश जारी किया है। आदेश को लेकर अब पारदर्शिता, जवाबदेही और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर भी बहस तेज हो गई है। विपक्ष और पत्रकार संगठनों ने आदेश वापस लेने की मांग उठानी शुरू कर दी है।

सुन्दरजा की पहली खेप संयुक्त अरब अमीरात रवाना

नवभारत न्यूज

रीवा, 26 जून. कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मध्य प्रदेश के जीआई-टैग प्राप्त रीवा सुंदरजा आम की प्रथम वाणिज्यिक निर्यात खेप का आज सफलतापूर्वक वर्चुअल ध्वजारोहणकिया गया।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि मध्य

प्रदेश के विशिष्ट कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। विगत कई महीनों से मध्य प्रदेश शासन के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, निर्यातकों, किसान उत्पादक संगठनों पैक हाउस संचालकों तथा अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित कर रीवा सुंदरजा आम के निर्यात हेतु प्रयास किए जा रहे थे। इन समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप संयुक्त अरब अमीरात में खरीदार की सफलतापूर्वक पहचान की गई और आज मैसर्स साल्ट रेंज फूड्स प्रा. लि. द्वारा 1 मीट्रिक टन जीआई-टैग प्राप्त रीवा सुंदरजा आम की प्रथम वाणिज्यिक खेप संयुक्त अरब अमीरात के लिए रवाना की गई।

खेल पुरस्कार के लिए आवेदन 31 जुलाई तक

सतना 26 जून. खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2026 के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित खेल पुरस्कारों हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इनमें एकलव्य, विक्रम, विश्वामित्र, प्रभाष जोशी एवं लाइफ्टाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए इच्छुक खिलाड़ी 10 जून से 31 जुलाई 2026 तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

सिंगरौली के जुड़वा तालाब परिसर में शान से लहराएगा राष्ट्र का गौरव

विधायक, महापौर और निगम अध्यक्ष के कर कमलों से 100 फीट ऊंचे तिरंगे का हुआ भव्य लोकार्पण

नवभारत न्यूज़

सिंगरौली, 26 जून. औद्योगिक नगरी सिंगरौली आज पूरी तरह से राष्ट्रीयता के रंग में सराबोर नजर आई, जब शहर के हृदय स्थल जुड़वा तालाब परिसर के आसमान ने देश की आन-बान और शान के प्रतीक तिरंगे को अपनी बांहों में समेट लिया।

नगर पालिक निगम सिंगरौली क्षेत्र के निवासियों के लिए आज का दिन एक ऐतिहासिक और गौरवशाली अध्याय के रूप में दर्ज हो गया है। देशप्रेम की भावना को नई ऊंचाई देते हुए, शहर के इस प्रमुख और खूबसूरत स्थल पर 100 फीट ऊंचे विशालकाय तिरंगे झंडे लगाने के कार्य का भव्य और गरिमामय लोकार्पण पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुआ। नगर पालिक निगम सिंगरौली द्वारा जन-जन में राष्ट्रभक्ति की

अलख जगाने और जुड़वा तालाब परिसर के सौंदर्य को एक नया आयाम देने के उद्देश्य से यह अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य कराया गया है। यह ऐतिहासिक क्षण क्षेत्र के उन सम्मानित जनप्रतिनिधियों के कर कमलों द्वारा साकार हुआ, जिन्होंने राष्ट्र के प्रति अपनी अटूट निष्ठा व्यक्त की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह एवं न.पा.नि. सिंगरौली महापौर रानी अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि न.पा.नि. सिंगरौली अध्यक्ष देवेश पाण्डेय के द्वारा संयुक्त रूप से आज इस राष्ट्र गौरव का भव्य लोकार्पण कर इसे जनता को समर्पित किया गया।

लोकार्पण समारोह के दौरान उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि 100 फीट की गगनचुंबी ऊंचाई पर पूरी आन-बान और शान से लहराता हमारा यह राष्ट्रीय ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि हमारी संप्रभुता, अखंडता और अमर शहीदों के बलिदान की जीती-जागती गाथा है।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुंदर लाल शाह ,एम .आई .सी . सदस्य श्रीमती अंजना इंद्रेश शाह, पार्षद संतोष शाह, जनपद अध्यक्ष देवसर प्रणव पाठक, पूर्व प्राधिकरण अध्यक्ष दिलीप शाह, पार्षद आशीष बैस, पार्षद राम नरेश शाह, पार्षद संतोष शाह , उपायुक्त आर . पी . बैस, सहायक यंत्री प्रवीण गोस्वामी, सहायक यंत्री डीके सिंह एवं सहायक यंत्री श् इंद्रवेश यादव उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा.लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा प्लाट नं.34, इंडस्ट्रियल एरिया, सतना से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , इंडस्ट्रियल एरिया से मुद्रित . संपादक- संजय पयासी * फोन- 250587, फैक्स- 224642 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार RNI Reg. No. 72181/99